प्रश्नपत्र कूट संख्या - 4171
एम. ए. पूर्वार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2019-20
प्रथम प्रश्न पत्र - वैदिक साहित्य

पाठ्यक्रम **100**

अंक

1. ऋग्वैदिक सूक्त (कुछ चुने हुए सूक्त मात्र)
2. बृहदारण्यक उपनिषद् (तृतीय अध्याय मात्र)
3. निरुक्त (प्रथम अध्याय मात्र)
4. वैदिक साहित्य का सामान्य इतिहास
5. संहिता पाठ से पद पाठ

संपूर्ण पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है:-

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - ऋग्वेद संहिता के निम्नलिखित सूक्त सवितृ (**1.35**), रूद्र (**2.33**), मण्डूक (**7.103**), पुरुष (**10.90**), वरुण (**7.86**), कितव (**10.34**) नासदीय (**10.129**) तथा उषस् (**1.48**)

द्वितीय इकाई - बृहदारण्यक उपनिषद् (तृतीय अध्याय)

तृतीय इकाई - निरूक्त (यास्क) - (प्रथम अध्याय)

चतुर्थ इकाई - वैदिक साहित्य का सामान्य इतिहास

पंचम इकाई - संहिता पाठ से पद पाठ

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथम खंड

20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघूत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) **50** अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (व्याख्याएँ) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर (अर्थात् व्याख्या) लगभग **250** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित हैं।

इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नप्रकार से होगा -

(क) ऋग्वेद के सूक्तों में से किसी एक मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। **10** अंक

(ख) बृहदारण्यक उपनिषद् के (तृतीय अध्याय) से एक अवतरण की सप्रसंग संस्कृत भाषा में व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। **10** अंक

(ग) निरूक्त के (प्रथम अध्याय) से दो अंशों की सामान्य व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। **10** अंक

(घ) वैदिक साहित्य पर आधारित सामान्य व परिचयात्मक प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जाएगा। **10** अंक

(ङ.) पाठ्यक्रम में निर्धारित ऋग्वेद के सूक्तों में से किसी एक मन्त्र का पदपाठ पूछा जाएगा। **10** अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग) **30** अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। इनके लिए **15 - 15** अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधार होंगे -

1. ऋग्वेद का रचनाकाल, ऋग्वेद के पाठ्यक्रम में निर्धारित सूक्तों के देवताओं का स्वरूप चरित्र-चित्रण, ऋग्वेद का धर्म और दर्शन तथा ऋग्वेद की भाषा की सामान्य विशेषताएँ। **15** अंक
2. द्वितीय प्रश्न - निम्नलिखित बिन्दुओं में से किसी एक पर आधारित होगा - बृहदारण्यक उपनिषद् की विषयवस्तु, निरूक्त का सामान्य परिचय, वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय। **15** अंक

सहायक पुस्तकें -

1. ऋग्भाष्यसंग्रह - डी. आर. चानना
2. द न्यू वैदिक सेलेक्शन - एस. के. तैलंग एवं बी. बी. चौबे
3. वैदिक व्याकरण - ए. ए. मैक्डानल - अनु डा. सत्यव्रत शास्त्री
4. वैदिक व्याकरण भाग 1, 2 - डॉ. रामगोपाल
5. वैदिक साहित्य और संस्कृति - पं. बलदेव उपाध्याय
6. वैदिक साहित्य की रूपरेखा - एस. एन. पाण्डेय एवं आर. बी. जोशी
7. वैदिक देवशास्त्र - ए. ए. मेक्डानल -अनु. डॉ. सूर्यकान्त
8. वैदिक साहित्य - रामगोविन्द त्रिवेदी
9. ए वैदिक रीडर फोर स्टूडेन्ट्स - ए. ए. मेक्डानल
10. लेक्चर्स ऑन द ऋग्वेद - घाटे
11. हिस्ट्री ऑफ इंडियन लिटरेचर - विन्टरनित्स

12. पोइट फिलोसोफर्स आफ द ऋग्वेद – सी.के. राजा
13. सलेक्सन्स फ्राम द ब्राह्मणाज् एण्ड उपनिषद्स – आर. सी. द्विवेदी
14. ऋग्वेदिक सियर्स – वी. जी. राहुरकर
15. फिलोसोफी ऑफ द उपनिषद्स – डायसन
16. फिलोसोफी ऑफ द उपनिषद्स – एस. राधाकृष्णन्
17. बृहदारण्यक उपनिषद् (शंकरभाष्यसहित) – गीता प्रेस, गोरखपुर
18. बृहदारण्यक उपनिषद् – आनन्दाश्रम मुद्रणालय, पूना
19. बृहदारण्यक उपनिषद् – चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी

*****